नवाचार शिक्षा से माध्यमिक स्तर के विद्यालय वातावरण एवं छात्र के विकास पर पड़ने वाला प्रभाव

*प्रदीप सिंह रावत

प्रस्तावना

नवाचार शब्द नव + आचार शब्दों के समूह से बना है। जहां नव शब्द का तात्पर्य नयापन अथवा नवीनतम से हैं तथा आचार शब्द का तात्पर्य किसी प्रकार के परिवर्तन से हैं। इस प्रकार नवाचार वह परिवर्तन प्रणाली है जिसके माध्यम से पहले से चली आ रही शिक्षा विधियो और शिक्षा के माध्यम में प्रयोग में आ रही सामग्रियों इत्यादि में नवीनता का संचार कर विद्यालय के वातावरण एवं छात्र के विकास योग्य कार्यों में कई प्रकार से प्रभाव पड़ता है। नवाचार के माध्यम से शिक्षा में कई प्रकार से परिवर्तन आता है जिसे हम सफल जीवन की आवश्यकता मान सकते हैं और जहां परिवर्तन होता है वहां नए-नए विचारों की उत्पत्ति होती है। देश और समाज की आवश्यकताओं के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा का संपूर्ण स्वरूप का ही परिवर्तन होता जा रहा है।

पिछले कई दशकों से भारत सहित दुनिया भर की सरकारों ने शिक्षा के सभी क्षेत्रों में नवाचार शिक्षा के लिए अपने प्रतिबद्धता की घोषणा की है। इस अवधि में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में और उसे छात्रो को शिक्षकों द्वारा कैसे प्रदान किया जा सकता है उसमें कई प्रकार के परिवर्तन हुए हैं। बदलते रुझानों को निम्न प्रकार से संक्षेप में सारांशित किया जा सकता है।

- असमताओ को दूर करने पर अधिक जोर
- सभी के लिए न्याय उचित शिक्षा
- बच्चों पर केंद्रित जरूरत पर आधारित शिक्षा
- सीखने की प्रक्रिया में हर बच्चे की प्रतिभागिता को अधिकाधिक करना ।

ये रुझान प्रमुख भारतीय नीति दस्तावेजों में प्रतिबिंबित है जिनमें शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति (NPE 1986) द नेशनल करिकुलम फॉर एलिमेंट्री एंड सेकेंडरी एजुकेशन (1988)और द रिवाइज्ड एनपीई एंड प्रोग्राम फोर एक्शन (1992) इत्यादि शामिल है।

अभी हाल ही में 2005 के राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ) ने एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान किया है, जिसमें सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण समावेशी शिक्षा प्रदान करने के तरीके शामिल किए गए हैं। वह शिक्षकों द्वारा निम्नलिखित कामों को करने की जरूरत को स्पष्ट करती है।

- हर बच्चे की अनोखी जरूरतो के प्रति संवेदनशील होना
- बच्चों पर केंद्रित सामाजिक रूप से प्रासंगिक और न्यायोचित पढ़ाने/ सीखने की प्रक्रिया प्रदान करना
- उनके सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों में विविधता को समझना ।

आज कोई भी शिक्षक छात्रों द्वारा अपने साथ विद्यालय में लाई जा रही असंख्य मांगों और अपेक्षाओं की समझ या उनके

प्रति संवेदी हुए बिना व्यावसायिक रूप से सफल नहीं हो सकता है । उन्हें वर्ग जाति धर्म लिंग नि:शक्तता पर ध्यान दिए बिना सभी छात्रों को सलंग्न करने और सीखने के सार्थक अवसर प्रदान करने में सक्षम होना चाहिए। शिक्षा का अधिकार कानून 2009 (RTE) लिंग और सामाजिक श्रेणी पर ध्यान दिए बिना सभी छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के इस निर्णय को अधिक मजबूत और सुदृढ़ करता है जिसके लिए उसमें शारीरिक और सीखने के पर्यावरणों पाठ्यचर्या और अध्यापन प्रथाओं से संबंधित विस्तृत स्वीकार योग्य नियम निर्धारित किए गए हैं।

उल्लेखनीय परिमाण में शोध द्वारा पुष्टि की गई है कि शिक्षकों के कौशल, रवैये और प्रोत्साहन सुविधाहीन और अधिकारहीन समुदायों के बच्चों की संलिप्तता प्रतिभागिता और उपलब्धि उल्लेखनीय ढंग से बढ़ा सकते हैं । समावेशी विद्यालय कक्षा में शिक्षकों द्वारा न्यायोचित शिक्षा प्रदान करने में विद्यालय मे नवाचार शिक्षा की भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण होती है। सबसे पहले यह आवश्यक है कि विद्यालय मे नवाचार शिक्षा न्यायोचित हो। छात्रों के व्यक्तिगत प्रारंभिक बिंदु चाहे कुछ भी हो स्टाफ और छात्रों को सभी छात्रों की उपलब्धि को ऊपर उठाने के लिए नवाचार शिक्षा बहुत योगदान है। यह छात्रों की सफलता को उनकी शैक्षिक उपलब्धि से अधिक आधार पर मापता है।

एक माध्यमिक विद्यालय मे नवाचार के माध्यम से बच्चे के अधिकार पर संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्ट 1989 से अवगत होना चाहिए जो हर एक सदस्य देश को अपने सभी बच्चों को शिक्षा प्रदान करने का आदेश देकर विविधता को अपनाने की उल्लेखनीय प्रेरणा देता है।

सीखने के डायरी

इस इकाई में काम करते समय आपसे अपनी सीखने की डायरी में नोट्स बनाने को कहा जाएगा। यह डायरी एक किताब या फोल्डर है जहां आप अपने विचारों और योजनाओं को एकत्र करके रखते हैं संभवतः आपने अपनी डायरी शुरू कर ली है इस इकाई में आप अकेले काम कर सकते हैं , लेकिन यदि आप अपने सीखने की चर्चा किसी अन्य विद्यालय के साथ कर सके तो आप और भी अधिक सीखेंगे । यह आपका कोई सहकर्मी जिसके साथ आप पहले से सहयोग करते आए हैं या कोई व्यक्ति हो सकता है जिसके साथ आप नवाचार शिक्षा का निर्माण कर सकते हैं। इसे नियोजित ढंग से या अधिक अनौपचारिक आधार पर किया जा सकता है। आपकी सीखने के डायरी में बनाए गए आपके नोट्स इस प्रकार की बैठकों के लिए उपयोगी होंगे और साथ ही आपकी दीर्घावधि नवाचार शिक्षा प्रक्रिया और विकास का प्रतिचित्रण भी करेंगे ।

माध्यमिक स्तर के विद्यालय में नवाचार

हमारे देश में माध्यमिक स्तर के विद्यालय वातावरण एवं छात्रों के विकास हेतु नवाचार शिक्षा के माध्यम से शैक्षिक मानकों को बढ़ावा देने के साथ-साथ सतत विकास के लिए नवाचार शिक्षा प्रणाली एक आकर्षक एवं शक्तिशाली माध्यम है आज के विद्यालय वातावरण एवं छात्रों के विकास हेतु के लिए अनेक ऐसे मुद्दे हैं जिनके विकास हेतु विद्यालय कार्यक्रमों में कई प्रकार के आवश्यक सुधार की आवश्यकता है । आज का युग शिक्षा में प्रतिस्पर्धा एवं नवाचार का युग है और ऐसी परिस्थिति में नवाचार शिक्षक शिक्षण एकीकृत शिक्षा कार्यक्रम एवं शिक्षण पाठ्यक्रम में नवीन परिवर्तन की आवश्यकता है। यदि शिक्षक शिक्षा को मजबूत बनाना है तो शिक्षकों को नवीन ज्ञान शिक्षण कौशलों में दक्षता, नए-नए तकनीकी अनुसंधान का ज्ञान एवं नवाचार के ज्ञान एवं उनके व्यावहारिक प्रयोग में पारंगत होना अति आवश्यक है। जिससे वे विद्यालय में छात्रों को सही प्रकार से ज्ञान से अवगत करवा सके आज की परिस्थितियां शिक्षक शिक्षा के लिए बहुत ही कठिन है इन परिस्थितियों में छात्रों के साथ परस्पर संबंध स्थापित करने के लिए शिक्षकों को नए-नए शैक्षिक तकनीक की जानकारी का होना अति आवश्यक और महत्वपूर्ण है। आज देश में शैक्षिक क्षमता में वृद्धि हेतु कई प्रकार की नवीन तकनीकी आ गई है

और यह तकनीक जैसे इंटरनेट तथा दूरदर्शन सोशल मीडिया कई प्रकार के चैनलों पर प्रसारित होने वाले शैक्षिक प्रोग्राम के माध्यमों का प्रयोग करके विद्यार्थी अपने विभिन्न प्रकार के नए-नए ज्ञान को अर्जित कर सकता है इसलिए शिक्षकों को चाहिए कि छात्रों को शिक्षा देने में नई -नई तकनीको और प्रौद्योगिकों के साथ अपने आप को हमेशा दक्ष करते रहना होगा। सीखना जीवन पर्यंत चलने वाली वह प्रक्रिया होती है इसलिए योग्य शिक्षक को चाहिए कि वह हमेशा नई- नई प्रौद्योगिकियों एवं तकनीको का ज्ञान के साथ-साथ स्वयं नई तकनीको की खोज द्वारा पाठ्यक्रम को रोचक तथा ज्ञानवर्धक बनाता है। शिक्षक शिक्षा केवल पाठ्य पुस्तकों तक ही सीमित नहीं है बल्कि सीखाने वाला सिखने वाले को विभिन्न प्रकार की सूचना एवं निर्देश देना है वे सूचनाओं को प्राप्त कर स्वयं को ज्ञानार्जन की अनुमति कर अपने महत्वपूर्ण कार्यों के अनुरूपयोग में ला सके।

जिससे शिक्षक शिक्षा को और उपयोगी बनाकर सफलता पाई जा सके इसके लिए शिक्षक को लगातार प्रयास करते रहना चाहिए इसके लिए शिक्षक करके सीखना परामर्श अभ्यास करना खोज करना आदि अनुभवों का वर्तमान लगातार प्रयोग किया जा रहे हैं। शिक्षक शिक्षा में नवाचार लाने के उद्देश्य से ही देश में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम से संबंधित तरह-तरह के कुछ महत्वपूर्ण एवं प्रभावशाली परिवर्तन किए गए हैं। उसके साथ नवीन पाठ्यक्रम में भाषा का ज्ञान पाठ्य -वस्तु के अध्ययन के साथ पाठ्यक्रम में ड्रामा एवं कला जैसी नवीन क्रियाओ के बारे में जानकारी करना ही नवाचार है। जब हम माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में नवाचार को लागू करते हैं तो नवाचार का उपयोग करने वाले विद्यार्थी को क्या सीखना है? कैसे सीखना है? कब सीखना है? क्यों सीखना है? के साथ-साथ सीखे गए कार्यो के बारे में पता लगाकर उसके मूल्यांकन हेतु नवीन उपकरणों की जानकारी दी जाती है ताकि एक नवाचार को अपनाने वाले विद्यार्थी संबंधित समस्याओं का समाधान करते हैं और समस्या समाधान हेतु उन्हें प्रेरित करते हैं। सफलता उनके द्वारा खोजे गए नवाचारों से ही संभव है। नवाचारों के प्रयोग से कक्षा कक्ष के वातावरण को अधिकाधिक ज्ञानवर्धक और सक्रिय रखने का अवसर प्रदान करता है तथा इसके द्वारा सीखने की स्थिति ज्ञान स्तर से उठकर चिंतन स्तर तक पहुंच जाती है। विद्यार्थी शिक्षा में नवाचार का प्रयोग कर अनेक प्रकार की शैक्षिक समस्याओं का हल प्राप्त करने में सहायता प्राप्त होती है । इसके द्वारा कक्षा के समस्त विद्यार्थियों पर व्यक्तिगत रूप से प्रयोग कर शिक्षण में रुचि व बोधगम्यता को बनाए रखने में अपने अहम भूमिका निभाते हैं।

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियो मे नवाचार की आवश्यकता

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी में नवाचार की आवश्यकता शिक्षक समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा है जो शिक्षा के माध्यम से बदलाव का कारक है। शिक्षा में नवाचार और स्कूली शिक्षा दोनों का आपस में गहन संबंध है जो कि यह एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। क्योंकि नवाचार विद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता को सुनिश्चित करता है यह विद्यार्थी शिक्षा के कई संदर्भ में कार्य करता है जैसे शिक्षा के उद्देश्य, शिक्षा का पाठ्यक्रम, आवश्यकता एवं अपेक्षाओ के साथ जोड़कर देखा जाना चाहिए। माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में नवाचार की आवश्यकताओं को हम वर्तमान संदर्भ में इस प्रकार देख सकते हैं।

1. वर्तमान की आवश्यकताओं अपेक्षाओं और आशाओं की पूर्ति के लिए।
2. विद्यालय वातावरण एवं विद्यार्थियों में गुणवत्तापूर्ण सुधार लाने के लिए।
3. विद्यार्थियों में नवीनतम प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी के ज्ञान का विस्तार करने के लिए।
4. विद्यार्थियों को समय के साथ परिवर्तन युक्त बनाने के लिए।
5. विद्यार्थियों मे गुणात्मक एवं मात्रात्मक विकास के लिए।
6. बदलते हुए परिवेश को वर्तमान समय के साथ गतिशील बनाने के लिए।

7. शिक्षण वीडियो में रचनात्मक एवं नवीनता लाने के लिए।
8. विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष एवं स्थाई ज्ञान प्रदान करने योग्य बनाने हेतु।
9. विद्यार्थियों को क्रियाशील बनाने के लिए।
10. विद्यार्थियों में स्वस्थ दृष्टिकोण उत्पन्न करने के लिए।
11. विद्यार्थियों संस्थाओं एवं विद्यालय में समन्वय स्थापित करने के लिए।
12. सामाजिक आकांक्षाओं एवं अपेक्षाओं की पूर्ति हेतु।
13. कार्य के नए क्षेत्रो के बारे में जानने तथा समझने के लिए।
14. शिक्षा के उद्देश्य उसकी पाठ्यचर्या में नई विषय सामग्री के विकास के लिए।

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में नवाचार का महत्व

1. नवाचार के द्वारा छात्रों को अरुचिकर तथा उबाऊ करने वाले शिक्षण से दूर कर रुचिकर शिक्षा देने में सक्षम होते हैं।
2. नवाचार के द्वारा छात्रों को अपने आप को नए-नए ज्ञान की खोज करने के प्रति तैयार करना एवं अध्ययनशील बनाना।
3. शिक्षा नवाचार के द्वारा पहले से चली आ रही पुरानी विधियां जो की उबाऊ व अरुचिकर विधियो को दूर करके नवीन दक्षताओं को विकसित कर सकता है।
4. नवाचार के माध्यम से विद्यालय समाज एवं समुदाय के मौजूदा संसाधनों का सर्वोत्तम ढंग से उपयोग कर सकता है ।
5. नवाचार के द्वारा छात्र अपना शैक्षिक उत्थान कर सकता है।
6. नवाचार छात्र को अपने कार्य के प्रति रचनात्मक अनुशासित एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने में सहयोग करता है।
7. छात्रों में प्रायोगिक एवं व्यवहारिक कार्यों को संपादित करने हेतु आवश्यक तैयारी एवं प्रभावित क्रियान्वयन कर सकते हैं।

नवाचार छात्र शिक्षा व्यवस्था और शिक्षण कार्य प्रणाली को मजबूत बनाए रखने के लिए आवश्यक एवं महत्वपूर्ण तकनीकी है। इसके अभाव में शैक्षिक लक्ष्यो और प्रक्रिया में व्यापक अंतर हो सकता है। इनका प्रयोग वर्तमान के साथ ही भविष्य की अपेक्षाओं की भी पूर्ति करने में सहायक है। छात्र शिक्षा में नवाचार द्वारा छात्र सामुदायिक सहभागिता अभिनव शिक्षण तकनीकी खेल-खेल में शिक्षा सरल अंग्रेजी अधिगम बाल संसद कला शिल्प से सर्वांगीण विकास कॉन्सेप्ट मेपिंग चित्र कथा के माध्यम से शिक्षा आदि का प्रयोग अपने भावी जीवन में कर पाएंगे। नवाचार से शिक्षण में गुणात्मक उन्नयन होता है छात्रों को दिशा बोध प्राप्त होता है जिससे व्यक्ति समाज तथा राष्ट्र के प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है। अर्थात सामाजिक आर्थिक राजनीतिक सांस्कृतिक वैज्ञानिक एवं शैक्षिक दृष्टिकोण से छात्र शिक्षा में नवाचार के महत्व स्वीकार की जाती है ।

सारांश

शिक्षा के क्षेत्र में अपनाई जाने वाली धारणाएं, आदर्श उनके मूल्य महत्व मान्यता कई प्रकार की योजनाओं एवं व्यवस्था में होने वाला परिवर्तन ही शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार के नाम से ज्ञात किया जाता है शिक्षा सामाजिक में एक सही प्रकार का

बदलाव लाने का और विकास करने का सबसे प्रबल और सबसे सशक्त माध्यम होने के साथ-साथ देश और समाज के आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण अंग है इसलिए राष्ट्र के निर्माण में छात्र आधारभूत तत्व है और वे परिवार समाज देश के लिए एक महत्वपूर्ण अंग है। इसलिए शिक्षक का कर्तव्य बन जाता है कि छात्रों को इस प्रकार की शिक्षा प्रदान करें जिससे वह आत्मनिर्भर बन सके तथा समाज की आवश्यकता को पूरा कर सके।

इस इकाई में आपने सीखा कि छात्र नवाचार के माध्यम से विविधता और भिन्नताओं को क्रियात्मक ढंग से संबोधित करके समावेश को कैसे प्रोत्साहित किया जाए ताकि प्रत्येक छात्र को समान शैक्षणिक अवसर प्रदान किया जा सके और वह आपके विद्यालय में सीखने में भाग ले सके। कई छात्रों द्वारा अपने दैनिक जीवन में अनुभव की गई असमानताओं को संबोधित करना बेशक एक बहुत बड़ा काम है लेकिन विद्यालयों में समानता की ओर बढ़ने और उनके जीवन में बदलाव लाने का वास्तविक अवसर है सीखने के लिए एक नवाचार शिक्षा को प्रोत्साहित करना जिसे सारे विद्यालय में छात्रों समक्ष द्वारा साझा किया जाता है और उन छात्रों द्वारा देखा जाता है जो अपने समकक्षो का सम्मान करना और उन्हें महत्व देना सीख सकते हैं।

***शोधार्थी**
महाराज विनायक ग्लोबल यूनिवर्सिटी
आमेर (जयपुर)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. मिशेल, जे एम (2003) इमर्जिंग फ्यूचर्स: इन्नोवेशन इन टीचिंग एंड लर्निंग वी. ई. टी. ए. एन. टी. ए. मेलबोर्न।
2. पटेल, माधव (2018)शिक्षा में नवाचार
3. कुमार, डॉक्टर अमित (2015) भारतीय शिक्षक शिक्षा में अभिनव दृष्टिकोण % Vol.5 ISSN-2277-1255
4. इन्नोवेटिव प्रैक्टिस इन टीचर एजुकेशन: डॉक्टर सरोज अग्रवाल रिसर्च पिडिया, Vol.(3) नंबर 1 ISSN 2347-9000
5. पटले, माधव (2018) शिक्षा में नवाचार टीचर ऑफ इंडिया
6. भाई योगेंद्रजीत (2014-15) शिक्षा में नवाचार एवं नवीन प्रवृत्तियां